



प्रेस विज्ञप्ति

ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल, राँची में शिक्षक-शिक्षिकाओं के लिए 'खुशहाल कक्षा' विषय पर इन-हाउस प्रशिक्षण का आयोजन

राँची, 4 अगस्त 2024

ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल, राँची के सभागार में शिक्षक-शिक्षिकाओं के लिए 5 घंटे का 'इन-हाउस प्रशिक्षण' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

कार्यक्रम के रिसोर्स पर्सन संजय कुमार पाण्डेय ने 'खुशहाल कक्षा' विषय पर सत्र प्रस्तुत किया, जिसमें कक्षा को कैसे खुशहाल बनाया जाय इस विषय की जानकारी प्रदान की गयी। इस सत्र के दौरान किसी शिक्षक-शिक्षिकाओं के द्वारा किस प्रकार अनेक गतिविधियों जैसे- वाद-विवाद, संगीत, कविता-पाठ, प्रश्नोत्तरी, ध्यान इत्यादि को शिक्षण में शामिल करके कक्षा को कैसे खुशनुमा माहौल प्रदान किया जाय इसकी जानकारियाँ दी गयी।

कार्यक्रम में भिन्न-भिन्न क्रियाकलापों जैसे - प्रश्नोत्तरी, कविता पाठ, संगीत, कहानी कथन इत्यादि के माध्यम से विषय को समझाने का प्रयास किया गया। उन्होंने प्रशिक्षण के माध्यम से बताया कि कैसे एक खुशहाल कक्षा विद्यार्थियों को सिखने में मदद करता है। विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को शिक्षण का लाभ कैसे मिल सकता है इसकी भी जानकारी उन्होंने दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक-शिक्षिकाओं - मणि दीपा डे, वंदना मिश्रा, ए.के. श्रीवास्तव, चंद्रानी बोस, राजु प्रसाद, सिम्पी कुमारी एवं कुमार आशुतोष ने विभिन्न प्रकार के सुझावों को साझा किया एवं प्रशिक्षण सत्र का आनंद उठाया।

इस अवसर पर विद्यालय की एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. सिमी मेहता ने प्रशिक्षण को सराहनीय बताया और प्रशिक्षण की भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि शिक्षा में खुशी का महत्वपूर्ण स्थान है, क्योंकि यह सीखने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और आनंदमय बनाती है। खुशहाल विद्यार्थी न केवल बेहतर एकाग्रता और स्मरण शक्ति का अनुभव करते हैं, बल्कि उनकी रचनात्मकता और समस्या-समाधान क्षमताएं भी बढ़ती हैं। शिक्षा में खुशी का समावेश विद्यार्थियों को नई चीजों को सीखने के लिए प्रेरित करता है और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाता है। शिक्षक-शिक्षिकाएं रचनात्मक और इंटरैक्टिव शिक्षण विधियों का उपयोग करते हैं, जिससे सीखना मजेदार और अनुभवात्मक बनता है। इसके अलावा, शिक्षक व्यक्तिगत ध्यान देकर प्रत्येक विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को समझते हैं और उनके अनुकूल रणनीतियाँ अपनाते हैं, जिससे कक्षा में सामंजस्य और सहयोग बढ़ता है। युवा और ऊर्जावान विद्यार्थियों के लिए शिक्षक-शिक्षिकाएं ही सूत्रधार और मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हैं। इनके अनुभव और कुशलता के कारण ही यहाँ के बच्चे उत्कृष्ट बनने में सक्षम हो रहे हैं।

विद्यालय के प्राचार्य रंजीत कुमार ठाकुर ने कार्यक्रम को उपयोगी बताते हुए इस जानकारी का प्रयोग शिक्षक-शिक्षिकाओं से विद्यार्थियों के बीच कक्षा में उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि खुशहाल कक्षा में विद्यार्थियों को आत्मविश्वास विकसित करने, टीम वर्क और सहानुभूति को प्रोत्साहित करने का अवसर मिलता है, जिससे उनका संपूर्ण विकास होता है। यह कक्षा विद्यार्थियों को सीखने के प्रति उत्साहित और प्रेरित करती है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में एकेडमिक को-आर्डिनेटर रवि शेखर, जूनियर विंग इंचार्ज राज किशोर शर्मा एवं नर्सरी विंग प्राचार्या सोमा घोष उपस्थित थे।

मंच संचालन शीतल चावला ने किया। हिंदी शिक्षिका ममता कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कार्यक्रम की सराहना की। सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से 'खुशहाल कक्षा' प्रशिक्षण सत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिक्षक-शिक्षिकाओं के सामूहिक राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।



Press Release

IN- HOUSE TRAINING FOR TEACHERS ON 'HAPPY CLASSROOMS' AT OXFORD PUBLIC SCHOOL

Ranchi, 4th August, 2024

Oxford Public School, Ranchi successfully conducted an insightful and highly enriching in-house training of 5 hours on 4th August, 2024 on 'Happy Classrooms' for the teachers. The training commenced with the lighting of the lamp and the rendition of the Saraswati Vandana. The Academic Director Dr. Simi Mehta highlighted the importance of the training programme and extended her best wishes for the successful conduction of the in-house training. The Principal Ranjeet Kumar Thakur exhorted the teachers to show their keen interest in such training programmes.

The training was kickstarted by the resource person Sanjay Kumar Pandey who enlightened the teachers by highlighting the importance of establishing a happy classroom as a prerequisite for productive learning by the students. He further stated that it was pertinent for the holistic development of the pupils. In an elated and gay environment, learners are able to express their views without any hindrance. Such an ambience fosters creative thinking and healthy communication among the students. It boosts their confidence, promotes mental wellbeing and assists them in exhibiting their educational interests.

A happy classroom is an environment which is an amalgamation of education and happiness. It is an environment where students feel secure, confident and do not experience any sort of fear or anxiety. The resource person conducted several activities which made the session an enjoyable and thought provoking one. Role Play, Storytelling and sharing of personal experiences made the session highly interactive and knowledgeable. Several teachers participated in the interactive session. Prominent among them were Manideepa Dey, Vandana Mishra, A.K Srivastava, Chandrani Bose, Raju Prasad, Simpy Kumari and Kumar Ashutosh.

Establishing a happy classroom is the joint responsibility of both students and teachers. Happiness and learning must coexist in a happy classroom. In such a classroom the children feel as though they are part of one big happy family. Activities for joyful learning like quiz, memory game and drama need to be taken up as pupils imbibe more through such activities. Teachers have a big role in shaping the personality of students. Hence they should make an earnest effort to ignite the spark of hunger for education among the students.

A happy child inculcates good habits, exhibits integrity, improved concentration and remarkable memory skills. A child's problem solving skills and creativity show progressive improvement. A happy child showcases an interest in novel activities. S/He is curious to know about anything new. Positive mental attitude must be opted for educational and personality development. All this plays a crucial part in the success of an individual.

Ample examples must be given of great personalities belonging to different religions to make them secular in their thoughts, expressions and beliefs. The benefits of Group Discussion were discussed and expressed. The same helps to comprehend the beliefs, ideas and values of a child. Interaction with students and sharing their experiences assists in establishing a happy classroom.

A plethora of slides were presented with innumerable innovative and enjoyable activities focusing on various techniques for converting an otherwise dull classroom to a happy classroom. Benefits of developing life skills like inter-personal skills, problem solving, critical thinking, decision making and communication skills were elaborated. The Resource Person advised teachers to opt for storytelling to make classroom teaching more enjoyable and interesting.

The Academic Director Simi Mehta, the Principal Ranjeet Kumar Thakur, the Academic Coordinator Ravi Shekhar, the Incharge of Junior Wing Rajkishore Sharma and the Principal of Nursery Wing Soma Ghosh were present to grace the occasion. The vote of thanks was delivered by Mamta Kumari. It was a great learning experience with collaborative learning in a congenial environment where all the teachers were present. The training session concluded smoothly with the National Anthem.